No. of Printed Pages : 6

# MEC–007

## M. A. (ECONOMICS) (MEC)

## Term-End Examination

## June, 2026

### MEC-007 : INTERNATIONAL TRADE AND FINANCE

*Time : 3 Hours* *Maximum Marks : 100*

***Note :*** *Attempt questions from each Section as per the instructions given.*

### Section—A

***Note :*** *Answer any two questions from this Section.* 2×20=40

1. Critically examine the traditional trade theories with special reference to theories propounded by Adam Smith and David Ricardo.

2. What do you understand by multilateral framework on International Trade ? Discuss its main features.

3. "Trade creation is always welfare increasing while trade diversion may be welfare reducing." Critically examine this statement.

4. Critically examine the monetary theory of balance of payments.

## Section—B

***Note :*** *Answer any five questions from this Section.* 5×12=60

5. What does capital account convertibility imply ? Why has India been slow on capital account convertibility ? Explain.

6. Discuss the relative merits and demerits of fixed and flexible exchange rate regimes.

7. What is the role of the International Monetary Fund (IMF) in the management of external debt crisis ? Discuss.

8. Critically analyse the linkage between export and growth.
9. Examine the impact of capital mobility on fiscal policy.
10. Describe the major changes in the composition and direction of India's foreign trade in post-reform period.
11. How do countries benefit from free trade when domestic markets are perfectly competitive ? Explain.
12. Briefly describe the experience with Gold Standard over the period 1880-1914.

# MEC–007

## एम. ए. (अर्थशास्त्र)

## (एम. ई. सी.)

## सत्रांत परीक्षा

## जून, 2026

## एम.ई.सी.-007 : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं वित्त

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** *दोनों भागों से यथानिर्देश प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

---

### भाग—क

***नोट :*** *इस भाग से किन्हीं* ***दो*** *प्रश्नों के उत्तर लिखिए।* $2 \times 20 = 40$

1. एडम स्मिथ तथा डेविड रिकार्डो पर विशेष ध्यान देते हुए पारम्परिक व्यापार सिद्धान्तों की समीक्षा कीजिए।

2. आप अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की बहुपक्षीय रूपरेखा से क्या समझते हैं ? इसकी मुख्य विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।

3. 'व्यापार सृजन सदैव क्षेम संवर्धक होता है जबकि व्यापार विपथन क्षेम को हानि पहुँचाता है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

4. भुगतान शेष के मौद्रिक सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए।

## भाग—ख

***नोट :*** *इस भाग से किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

$5 \times 12 = 60$

5. पूँजी खाते पर परिवर्तनीयता का क्या निहितार्थ है ? भारत पूँजी खाते पर परिवर्तनीयता अपनाने में सुस्त क्यों रहा है ? व्याख्या कीजिए।

6. स्थिर एवं परिवर्तनीय (लचीली) विदेशी विनिमय दर व्यवस्थाओं के सापेक्ष गुण-दोषों पर चर्चा कीजिए।

7. बाह्य ऋण संकट के प्रबन्धन में अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की क्या भूमिका रहती है ? चर्चा कीजिए।

8. निर्यात और संवृद्धि के सम्बन्ध-सूत्रों का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

9. राजकोषीय नीति पर पूँजी खाते पर आवागमन के प्रभावों की परीक्षा कीजिए।

10. सुधार पश्चात् अवधि में भारत के विदेशी व्यापार की संरचना और दिशा में आए बड़े परिवर्तनों का वर्णन कीजिए।

11. जब उसके आन्तरिक बाजारों में पूर्ण प्रतियोगिता हो तो निर्बन्ध व्यापार से किसी देश को किस प्रकार लाभ होता है ? व्याख्या कीजिए।

12. अवधि 1880–1914 में स्वर्ण–मान व्यवस्था के अनुभवों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

× × × × ×